लिंक एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे

पूर्वोत्तर भारत से सीधे जुड़ जाएगी गोरक्षनगरी, नए रूट के लिए सर्वे रिपोर्ट के आधार पर बनेगी डीपीआर

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। नेपाल, बांग्लादेश और भूटान बॉर्डर पर बसे पश्चिम बंगाल के महत्वपूर्ण शहर सिलीगुड़ी से गोरखपुर तक प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे (करीब 700 किलोमीटर लंबा) को अब जैतपुर में लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। जबकि, पहले इसे लखनऊ-मुजफ्फरपुर हाईवे के मोतीराम अड्डा के पास से शुरू करने का प्रस्ताव था। इसलिए अब नए रूट का सर्वे हो रहा है।

इस एक्सप्रेस-वे का करीब 115 किलोमीटर हिस्सा यूपी के गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर जिले में होगा। सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर बनाने की कार्रवाई शुरू होगी। वह ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस-वे यूपी को सीधे पूर्वोत्तर भारत से जोड़ेगा, जिसका फायदा गोरखपुर में लगने वाले उद्योगों को मिलेगा।

पूर्वी यूपी में गीडा को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। धुरियापार में करीब 5500 हेक्टेयर में नया औद्योगिक क्षेत्र भी प्रस्तावित है। गीडा आने वाले उद्यमियों की सुविधा के लिए लिंक एक्सप्रेस-वे के जरिये इस क्षेत्र को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया है। लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे भी औद्योगिक क्षेत्र बनाकर फैक्टरियों की स्थापना हो रही है। पेप्सिको कंपनी इसी लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे लगाई गई है। अब इससे पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने के लिए सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे बनाने की तैयारी शुरू हो गई है।

बदल रहा है गोरखपुर

इस ग्रीन बेल्ट एक्सप्रेस-वे को पहले गोरखपुर शहर के पूर्वी छोर पर कुशीनगर और देवरिया हाईवे के बीच से शुरू करने की तैयारी थी, लेकिन डीपीआर से पहले फिर इसके ब्लू प्रिंट में तब्दीली हो रही है। सूत्रों के अनुसार, नया सर्वे जैतपुर से कराया जा रहा है। यहीं लिंक एक्सप्रेस-वे मुजफ्फरपुर-लखनऊ फोरलेन से जुड़ रहा है। आरंभिक सर्वे के अनुसार तीनों जिलों के 115 गांवों के किसानों की जमीनों का अधिग्रहण करना था, हालांकि, नए सर्वे के बाद इसमें कुछ और गांव शामिल हो सकते हैं।

लिंक एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे को भी जोड़ने का है प्रस्ताव। संवाद

चंपारण व दरभंगा को मिलेगा विशेष फायदा

यह एक्सप्रेस-वे कुशीनगर से बिहार के चंपारण, दरभंगा, सीतामढ़ी और फारबिसगंज इलाके से होते हुए सिलीगुड़ी जाएगा। सिलीगुड़ी से गोरखपुर अभी सीधे नहीं जुड़ा है, इस कारण वहां से गोरखपुर आने में कम से कम कम 15 घंटे का समय लगता है। जबकि नए एक्सप्रेस-वे से यह दूरी आठ-नौ घंटे में ही तय हो जाएगी। पूर्वोत्तर भारत से यूपी सीधे जुड़ जाएगा। इससे गोरखपुर-मुजफ्फरपुर हाईवे का लोड भी कम होगा। इसके अलावा बिहार के चंपारण और सीतामढ़ी जैसे जिलों में विकास की रफ्तार तेज होगी। वहीं गोरखपुर के गीडा में लगने वाली फैक्टरियों का माल बिहार, बंगाल और असम तक भेजने को सीधा रास्ता भी मिल जाएगा।

गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे के लिए भी नए सिरे से होगा सर्वे

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। केंद्र सरकार की भारत माला परियोजना के तहत गोरखपुर को पश्चिमी यूपी के शहर शामली से जोड़ा जाएगा। शामली से हरियाणा के पानीपत को भी जोड़ा जा रहा है। इस तरह से गोरखपुर-शामली-पानीपत तक एक एक्सप्रेस-वे बन जाएगा।

नेपाल बॉर्डर के जिलों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे को भी छह लेन का बनाया जाएगा। इसके लिए भी नई सर्वे एजेंसी नामित की गई है। पहले वाली एजेंसी ने गोरखपुर-संतकबीरनगर होते हुए जो प्रस्तावित अलाइनमेंट बनाया था, उसकी जगह अब गोरखपुर-महराजगंज-सिद्धार्थनगर रूट पर सर्वे हो रहा है।

इस सड़क को महराजगंज-सिद्धार्थनगर के रास्ते बनाया जाएगा

गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे 22 जिलों और 37 तहसीलों से होकर गुजरेगा। अभी शामली जाने के लिए गोरखपुर से दिल्ली होकर जाना पड़ता है। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे राज्य का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड कॉरिडोर होगा और यह भारत-नेपाल सीमा से होकर गुजरेगा। इस पर जेट विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग के लिए एक हवाई पट्टी भी बनाने की योजना है, जो इस प्रोजेक्ट को खास बनाएगी।

सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित प्रोजेक्ट से गंगा एक्सप्रेस-वे भी जुड़ेगा, जिससे दोनों रूट के लोगों को फायदा मिलेगा। इसको गोरखपुर-महराजगंज-सिद्धार्थनगर के रास्ते बनाया जाएगा। बहराइच-बलरामपुर होते हुए यह सड़क पश्चिमी यूपी में प्रवेश करेगी। इस सड़क के लिए पहले जिस एजेंसी ने सर्वे किया था, उसकी जगह अब दूसरी एजेंसी को सर्वे का जिम्मा सौंपा गया है।

गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे के दूसरी बार सर्वे का काम तेजी से हो रहा है। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे भी सरकार की प्राथमिकता में है। सर्वे के दौरान देखा जा रहा है कि कहां से नई सड़क बनाने में सहूलियत होगी। सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर बनाया जाएगा। **-कृष्णा करुणेश, डीएम**